बाम भाग सोभति अनुकूला । आदिसक्ति छबिनिधि जगमूला ॥
आदिसक्ति जेहिं जग उपजाया । सोउ अवतरिहि मोरि यह माया ॥
।। मानस राधाष्टक । रामकथा 925 - बरसाना, वृंदावन । मोरारी बापू ।।

सांध्य दैनिक

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 9 अंक : 104 | इंदौर, शुक्रवार 20 अक्टूबर, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

सेंधवा में जहरीला पानी पीने से चाचा-भतीजे की मौत

परिजन बोले-मालिक ने हौज में कीटनाशक मिलाया था

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सेंधवा। जहरीला पानी पीने से चाचा-भतीजे की मौत हो गई। परिवार के 10 अन्य लोग बीमार हैं। पांच सेंधवा के सिविल अस्पताल में भर्ती हैं। चार लोग महाराष्ट्र में जलगांव के चोपड़ा अस्पताल और एक शिरपुर अस्पताल में हैं।

रिश्तेदार निलेश मोरे ने बताया कि धनोरा गांव से एक ही परिवार के 12 लोग करीब 15 दिन पहले मजदूरी करने महाराष्ट्र के पीपलकोठा गए थे। इनमें से 7 लोग बुधवार शाम को गांव लौटे थे। रात में इनको उल्टी-दस्त होने लगे। सभी को अस्पताल ले जाया गया। देर रात रतीलाल (13) और तीरा (40) ने दम तोड़ दिया।

पानी के हौज में कीटनाशक मिलाने का आरोप

एक परिजन प्यारीबाई ने बताया कि उसके देवर और जेठ के लड़के की मौत हो गई है। पूरा परिवार पीपलकोठा में मिर्च के खेत में मजदूरी करने गया था। बुधवार सुबह खेत मालिक ने हौज में कीटनाशक मिलाया और वॉल्व खोलकर पानी खेत में छोड़ दिया। इसी वॉल्व से सभी ने पानी पी लिया। इसके बाद उल्टी करते हुए खेत की झोपड़ी तक आते-आते सभी बेसुध हो गए। हालत संभली तो 7 लोग गांव लौट आए।

सेंधवा सिविल अस्पताल के डॉ. रितेश काग ने बताया कि हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही इनमें से दो लोगों की मौत हो चुकी थी। शायद जहरीला भोजन खाने या पानी पीने से ये लोग बीमार हुए हैं। पीएम रिपोर्ट के बाद ही कारण स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल, धानकी बाई पति जबरसिंग (40), सोनू पिता जबरसिंग (14), बबीता पिता जबरसिंग (12), संग्राम पिता जबरसिंग (10) और झीनली बाई पति श्रीराम (50) सिविल अस्पताल में भर्ती हैं।

पेटीएम टीम लीडर ने लगाई 2.5 करोड़ की चपत

खुद के खाते में रुपए डलवाकर हुआ रफूचक्कर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

शाजापुर। नगर में पेटीएम कंपनी के नाम पर फर्जीवाड़ा कर करोड़ों रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। यूपीआई एप पेटीएम के स्थानीय टीम लीडर राहुल सिंह नामक युवक ने शहर के 100 से ज्यादा व्यापारियों को पहले तो बिना ब्याज लोन देने का झांसा दिया और फिर एफडी के नाम पर उनसे कुछ राशि अपने खातों में जमा करवाता गया।

संबंधित बैंकों ने व्यापारियों के खाते से लोन की राशि काटना शुरू की तो व्यापारियों को ठगी का पता चला लेकिन तब तक पेटीएम का टीम लीडर शहर से फरार हो गया। कई व्यापारी बदनामी के डर से अपने साथ हुई हुई इस ठगी को नही बता रहे है तो कुछ लोगों ने इस मामले में कोतवाली थाने और साइबर सेल में शिकायत दर्ज करवाई है जैसे-जैसे यह मामला उजागर हुआ व्यापारियों की संख्या और ठगी की राशि भी बढ़ती जा रही है। छोटे बड़े मिलाकर 100 से ज्यादा व्यापारियों से ढाई करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी पेटीएम के नाम पर इस युवक ने की। शहर में पिछले 2 सालों से वह रोजाना कई व्यापारियों के संपर्क में था। इसके चलते कई व्यापारियों ने उसे पर आसानी से भरोसा कर लिया।

मोदी के मन में मामा... मामा के मन में मोदी

◆ कमलनाथ के लिए तंत्र साधना पर शिवराज ने कहा- जादू टोना कर चुनाव जीतना चाहते हैं लोग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश में भाजपा ने चुनावी प्रचार अभियान तेज कर दिया है। इसी के तहत पार्टी ने गुरुवार को हाईटेक प्रचार रथ को रवाना किया। इन रथों पर लिखा है एमपी के मन में मोदी। प्रचार रथों को सीएम शिवराज सिंह और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने हरी झंडी दिखाई।

इस दौरान भाजपा की प्रचार की थीम एमपी के मन में मोदी पर सीएम शिवराज सिंह ने कहा मोदी जी के मन में भी मामा हैं, मामा के मन में मोदी जी। सीएम शिवराज सिंह ने कांग्रेस पर भी जमकर निशाना साधा।

उज्जैन के श्मशान में कमलनाथ के लिए चल रही तंत्र साधना पर सीएम शिवराज ने तंज कसा है। उन्होंने कमलनाथ का नाम लिए बिना कहा कि कुछ लोग जादू-टोना कर चुनाव जीतना चाहते हैं। इन्हें अपने काम पर भरोसा नहीं है।

बता दें कि कमलनाथ को मुख्यमंत्री बनाने के लिए उज्जैन के चक्रतीर्थ श्मशान में तंत्र साधना की जा रही है। नवरात्रि की पहली रात से शुरू हुईं तांत्रिक क्रियाएं नौ दिन तक चलेंगी। तंत्र साधना गुप्त रूप से कराई जा रही है।

तंत्र साधना करवाने वालों के नामों का खुलासा नहीं

तंत्र साधक भय्यू महाराज ने बताया कि कांग्रेस सरकार बनाने के लिए विजय अनुष्ठान किया जा रहा है। पूर्व में हुई विधायकों की खरीद-फरोख्त इस बार न हो, इसके लिए भी पूजन कर रहे हैं। ये पूजन 7 लोग करवा रहे हैं। वे नाम गुप्त रखना चाहते हैं। सभी लोग कांग्रेस से जुड़े हैं।

नवरात्रि के पहले दिन रविवार को इंदौर-1 से विधायक संजय शुक्ला के लिए भी विजय अनुष्ठान किया गया। अब कमलनाथ के लिए किया जा रहा है। हालांकि, भय्यू महाराज ने ये नहीं बताया कि तंत्र साधना करवा कौन रहा है।

हम विकास के आधार पर मांग रहे सपोर्ट

सीएम शिवराज ने कहा- हम जनता को अपने काम बता रहे हैं। कुछ लोग श्मशान में तांत्रिक क्रियाएं करा रहे हैं। लोकतंत्र में साधना और पूजा अगर किसी की होती है, तो जनता की होती है। हम भी दूसरे उपाय करते हैं। मगर, जादू-टोना नहीं, बल्कि भगवान महाकाल की पूजा-अर्चना करते हैं।

श्मशान घाट में पूजा करने वालों का कैसे भला होगा? लोकतंत्र में जनता की पूजा होती है। ऐसी पूजा के बारे में सुनकर मुझे आश्चर्य और तकलीफ होती है। जनता की सेवा करो, विकास करो, लोगों का कल्याण करो। हम उसके आधार पर वोट मांगने जा रहे हैं।

पीएम मोदी के लिखे पत्र जनता तक पहुंचाए

सीएम शिवराज ने कहा कि 'एमपी के मन में मोदी' महाअभियान के तहत वैन को रवाना किया है। इसके माध्यम से प्रधानमंत्री का जनता के नाम लिखे पत्र भी जनता तक पहुंचाए जाएंगे। साथ ही, उस पत्र पर क्यूआर कोड मौजूद है, जिसे स्कैन करने पर एमपी के मन में मोदी वेबसाइट देखी जा सकेगी। 230 विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा सरकार के 20 साल के विकास व कांग्रेस के दौरान हुए मध्य प्रदेश के विनाश की गाथा भी जनता तक पहुंचाई जाएगी। इसके माध्यम से रोजाना 2300 रथ सभाएं होंगी। प्रदेश में 50 हजार रथ सभाएं होंगी।

विजयवर्गीय का प्रचार करने आए तेजस्वी सूर्या

इंदौर-1 में युवा मतदाताओं से हुए रूबरू,बोले-चुनावों में होगा कांग्रेस का सफाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। हाई प्रोफाइल सीट इंदौर-1 विधानसभा में युवा वोटर्स को बीजेपी के पक्ष में करने के लिए भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बेंगलुरु से सांसद तेजस्वी सूर्या गुरुवार को चुनाव प्रचार के लिए आए। सूर्या क्षेत्र के युवा मतदाताओं से रूबरू हुए। जानिए इंदौर-1 में युवा वोटर्स का गणित और विजयवर्गीय की चुनावी कैंपेन क्या है।

युवाओं को कनेक्ट करने के लिए आकाश भी सक्रिय

बीजेपी ने जब से इंदौर-1 से पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को मैदान में उतारा है, तब से ये सीट मध्यप्रदेश की हाई प्रोफाइल सीटों में शामिल हो गई है। कांग्रेस ने उनके सामने मौजूदा विधायक संजय शुक्ला को टिकट दिया है। विजयवर्गीय अब तक विधानसभा में कई सम्मेलन कर चुके हैं, जिसमें वे अलग-अलग समाज जनों से रुबरू हुए।

प्रबुद्ध जन की बैठक भी वे ले चुके हैं। शिक्षाविदों से भी मिले। क्षेत्र में रहने वाली सभी समाजों के कार्यक्रम रख अपनी बात उन तक पहुंचा चुके हैं। इंदौर-1 के युवाओं को कनेक्ट करने के लिए बीजेपी ने खास रणनीति बनाई है। इसके लिए युवा सांसद और भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या को उनके बीच लाया गया। यहां मीडियो से चर्चा में सूर्या ने कहा कि भाजपा उसूलों वाली पार्टी है। यहां पैसा नहीं व्यक्ति की योग्यता देखकर उसे मौका मिलता है।

सूर्या बीजेपी के युवा चेहरे हैं। विजयवर्गीय 67 साल के हैं ऐसे में सूर्या के माध्यम से क्षेत्र के युवा मतदाताओं को कनेक्ट करने की कोशिश बीजेपी कर रही है। कैलाश के बेटे आकाश विजयवर्गीय भी लगातार क्षेत्र में सक्रिय बने हुए है और युवाओं से जुड़ने की कोशिश में जुटे हैं।

इंदौर-1 में इतने हैं युवा वोटर्स

इंदौर-1 में 3 लाख 63 हजार 805 मतदाता है। जिसमें से 18 से 39 साल के युवा मतदाताओं की संख्या 1 लाख 91 हजार 632 है। इसमें 18 से 19 साल के 11 हजार 285, 20 से 29 साल के 80 हजार 231 और 30 से 39 साल के 1 लाख 116 वोटर हैं। युवा वोटर बीजेपी या कांग्रेस जिस भी प्रत्याशी के साथ जाएंगे उसकी जीत की राह आसान हो जाएगी। यही वजह है कि बीजेपी ने विशेष फोकस युवा वोटर्स पर कर दिया है, हालांकि कांग्रेस की तरफ से अभी तक युवा वोटर के बीच किसी युवा चेहरे को चुनावी प्रचार के लिए नहीं उतारा गया है।

◆ संजय शुक्ला का विजयवर्गीय पर तंज

हेलीकॉप्टर वाले नेता मोटर साइकिल पर आ गए, यह मेरे द्वारा किए विकास का परिणाम

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। बीजेपी प्रत्याशी कैलाश विजयवर्गीय को लेकर कांग्रेस के विधायक व प्रत्याशी संजय शुक्ला ने वार्ड क्रमांक 4 में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में तंज कसते हुए कहा कि हेलिकॉप्टर वाले नेता मोटरसाइकिल पर आ गए। अब हमें उन्हें रोड़ पर लाना है। बता दें कि इस सीट से बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के प्रत्याशी बनने के बाद यह सीट प्रदेश की हाई-प्रोफाइल सीट बन गई है। वहीं दोनों ही प्रत्याशी रोजाना नए-नए बयान दे रहे है।

संजय शुक्ला ने इंदौर-1 में वार्ड क्रमांक 4 में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कैलाश विजयवर्गीय 4 दिन में हेलिकॉप्टर से मोटरसाइकिल पर आ गए हैं। अब उन्हें रोड पर लाना है। मैंने जो विकास कार्य किया है उसी का परिणाम है कि आज बीजेपी ने हेलीकॉप्टर वाले नेता को मेरे सामने चुनाव लड़ने भेजा है। हमारे क्षेत्र में इस समय बहुत सारे भंडारे शुरू हो गए हैं। पितृ पर्वत पर वोट के लिए नोट बांटे जा रहे है। महापौर और विधायक रहते हुए विजयवर्गीय ने कोई विकास नहीं किया। विजयवर्गीय पहले कहते थे कि एक लाख वोट से जीतूंगा अब कहते हैं 50 हजार वोटों से जीतूंगा। उनका हेलिकॉप्टर अब धीरे-धीरे नीचे आ रहा है।

60 करोड़ रूपए की पेंशन खा गए विजयवर्गीय

सभा को संबोधित करते हुए संजय शुक्ला ने कैलाश विजयवर्गीय पर अरोप लगाते हुए कहा कि विजयवर्गीय ने माताओं और बहनों को मिलने वाली 60 करोड़ रुपए की पेंशन खाई है। आज भी इनका पेंशन घोटाले का केस चल रहा है। जनता को यह याद रखना होगा कि उनका बेटा ही उनके बीच में 5 साल तक रह सकता है।

इंडेक्स मेडिकल कॉलेज के भावी डॉक्टर्स को दिए, साइबर क्राइम से बचने के टिप्स

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर पुलिस द्वारा साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये, इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में कल अति. पुलिस उपायुक्त क्राइम इंदौर, इंडेक्स मेडिकल कॉलेज इंदौर में पहुंचे। सायबर अवेयरनेस के तहत इंडेक्स मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में एडीशनल डीसीपी क्राइम ी राजेश दंडोतिया ने, अपनी 178 वीं कार्यशाला में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे करीब 750 स्टूडेंट्स को वर्तमान समय के साइबर अपराधों के प्रकारों और इनसे बचने के तरीकों बताए। इस अवसर पर संस्थान के स्टूडेंटस, सहित स्टाफ भी उपस्थित रहा, जिन्होनें भी साइबर सुरक्षा की इन महत्वपूर्ण सावधानियां को जाना।

सीआरपीएफ की महिला पुलिस का शहर में फ्लैग मार्च

इंदौर। त्योहार और चुनाव को देखते हुए इंदौर पुलिस लगातार शहर में सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरत रही है । इसी कड़ी में कल झोन 2 में पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। यहां सीआरपीएफ की महिला पुलिस की टुकड़ी भी फ्लैग मार्च में शामिल रही। एडीसीपी अमरेंद्र सिंह के अनुसार सुरक्षा के मध्य नजर शहर में रिजर्व बल भी बढ़ा दिया गया है । सीआरपीएफ ने भी शहर में मोर्चा संभाला है । कल परदेसीपुरा विजयनगर लसूडिया इलाकों में सीआरपीएफ की महिला पुलिस टुकड़ी और थानों के बल ने पूरे इलाकों में भ्रमण कर इस भ्रमण का उद्देश्य और सामाजिक तत्वों में हाफ और आम जनता में सुरक्षा का भाव पैदा करना था।

कटाक्ष

© www.detectivegroupreport.com

परीक्षा परिणाम को लेकर विवाद

100 अंक का पेपर, 60 अंक मानकर जांची कापियां

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मास्टर आफ जर्नलिज्म (एमजे) की परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी की बात सामने आई है। जहां कापियों को कम पूर्णांक के आधार पर जांचना बताया है। यह आरोप पत्रकारिता की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों ने लगाया है। मामले में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के अधिकारियों को शिकायत की गई है।

विद्यार्थियों के मुताबिक, मूल्यांकन और अंकसूची में अलग-अलग पूर्णांक दशाएं है। इसके आधार पर पाठ्यक्रम की पढ़ाई करने वाले आधे विद्यार्थियों को कम अंक आए है। पचास फीसद छात्र-छात्राएं फेल हो चुके हैं। फिलहाल विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों की समस्या का निराकरण नहीं किया है। यहां तक कि शिकायत पर भी जांच कर स्थिति स्पष्ट नहीं की है। दरअसल जुलाई-अगस्त के बीच विश्वविद्यालय ने एक वर्षीय एमजे की परीक्षा करवाई, जिसमें 44 छात्र-छात्राएं शामिल हुए। परीक्षा में 100-100 अंक के प्रश्न-पत्र रखे गए थे। विद्यार्थियों ने जवाब भी उसके आधार पर दिए। 3 अक्टूबर को विश्वविद्यालय प्रशासन ने रिजल्ट घोषित किया है। मगर 22 छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए है। सिर्फ दो विद्यार्थी फर्स्ट डिजीवन अंकों से पास हो पाए है, जबकि ज्यादातर छात्र-छात्राएं द्वितीय व तृतीय श्रेणी में पास हुए है। खराब रिजल्ट आने से फेल विद्यार्थियों ने रिव्यू का आवेदन किया।

प्रत्येक प्रश्न के सही जवाब पर कम अंक दिए

ये सारे मीडिया रिसर्च और एनालिसिस नेशनल व इंटरनेशनल इशू विषय में हुए है। 10 अक्टूबर को इन्होंने मूल्यांकन केंद्र जाकर कापियां देखी। जहां उत्तर पुस्तिका का मुख्य पृष्ठ पर पूर्णांक अंक 60 दर्शाए गए। उसके आधार पर विद्यार्थियों का मूल्यांकन किया गया है। प्रत्येक प्रश्न के सही जवाब पर कम अंक दिए है। ऐसा दोनों विषय की उत्तर पुस्तिका भी दिखा है। कापियां भी एक ही मूल्यांकनकर्ता ने जांची है।

कापियां देखने के बाद छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय की छात्र सुनवाई में अधिकारियों को शिकायत की है। विद्यार्थियों ने कहा कि कापियों जांचने के दौरान 60 और अंकसूची में 100 पूर्णांक में से नंबर दिए है। कापियां कम पूर्णांक मानकर जांचने से विद्यार्थी फेल हुए है। मामले में अधिकारियों ने सप्ताहभर में जांचने का आश्वासन दिया। परीक्षा नियंत्रक डा. अशेष तिवारी का कहना है कि विद्यार्थियों की शिकायत मिली है। इसके बारे में मूल्यांकन केंद्र से विद्यार्थियों की कापियां मांगवाई है। हालांकि यह विषय परीक्षा समिति के सामने रखा जाएगा।

दिल्ली के ग्रामीण प्रबंधन के छात्रों को किया प्रशिक्षित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। दिल्ली से लाल बहादुर शास्त्री इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के ग्रामीण प्रबंधन के छात्रों का एक समूह अपने संकाय सदस्यों के साथ शैक्षिक दौरे पर जिम्मी मगिलिगन सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट आया। केंद्र की निदेशक डॉ. श्रीमती जनक पलटा मगिलिगन ने उन्हें एकीकृत दृष्टिकोण के साथ विकसित सभी प्राकृतिक संसाधनों और प्रौद्योगिकियों के सस्टेनेबल ग्रामीण प्रबंधन का गांव आधारित समग्र मॉडल दिखाया। उन्होंने संसाधनों के प्रबंधन को सीखकर अपने गांवों में सामाजिक और आर्थिक स्थितियों में सुधार के लिए ग्रामीण समुदायों की क्षमता के बारे में जागरूकता और ज्ञान बढ़ाकर गांवों में ज्ञान, प्रौद्योगिकियों, कौशल और प्रतिबद्धता के साथ युवाओं को प्रशिक्षण और सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। वे उसके शून्य अपशिष्ट जीवन को देखकर आश्चर्यचकित रह गए। संकायों ने इस समृद्ध और प्रेरणादायक अनुभव के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

कैलाश विजयवर्गीय ने सोनिया गांधी को कहा- दिग्विजय की 'आंटी'

पूर्व सीएम पर बोले- रामलला के दर्शन कर आइए, बुढ़ापा सुधर जाएगा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर-1 विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी और राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बहाने कांग्रेसी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी पर टिप्पणी की है। उन्होंने सोनिया को दिग्विजय सिंह की आंटी बताया। दोनों को राम मंदिर में दर्शन करने की सलाह भी दी। कांग्रेस को लेकर कहा कि कोई माई का लाल सनातन खत्म नहीं कर सकता।

विजयवर्गीय बुधवार रात को प्रचार के दौरान साहू समाज के सम्मेलन में पहुंचे थे। तभी उन्होंने ये बयान दिया। उन्होंने मंच से कहा कि यदि मोदी देश के प्रधानमंत्री नहीं होते तो राम मंदिर भी नहीं बन पाता। हम बोलते थे कि रामलला मंदिर वहीं बनाएंगे। दिग्विजयसिंह बोलते थे कि तारीख नहीं बताएंगे। लीजिए अब तो तारीख बता दी कि जनवरी में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा है। कपिल सिब्बल ने कोर्ट में कहा था कि राम काल्पनिक हैं, रामचरितमानस उपन्यास है।

विजयवर्गीय ने दिग्विजय सिंह को लेकर कहा कि उन्हें अपनी आंटी को लेकर परिवार के साथ रामजी की शरण में चले जाना चाहिए। जिंदगी जो भी पाप किए हैं, वह दयालु रामजी माफ कर देंगे। दिग्विजयजी, जवानी में आपने जो भी भूल की हो, गलती की हो, अपना बुढ़ापा सुधार लो। भाजपा ने राम मंदिर बना दिया है, भगवान राम के शरणागत हो जाना। राम के दर्शन करने से आपका अगला जीवन धन्य हो जाएगा।

मैंने 10 मिनट में आपकी धर्मशाला मंजूर की

विजयवर्गीय ने साहू समाज के लोगों से कहा कि मैंने महापौर रहते हुए 10 मिनट में साहू समाज की धर्मशाला मंजूर कर दी थी। मेरे काम से सब परिचित हैं। हमने सिर्फ विकास किया है। दिग्विजय सिंह प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तब मैं महापौर था, उस समय शहर के विकास के लिए मैं उनसे लड़ जाता था।

कमलनाथ ने दिया कांग्रेस का परिचय

कमलनाथ के कपड़े फाड़ने वाले बयान पर कहा विजयवर्गीय ने कहा कि कांग्रेस का अच्छा परिचय कमलनाथ ने जनता को दिया है कि उनकी स्थिति क्या है। कमलनाथ नेतृत्व कर रहे हैं, टिकट बांट रहे हैं और कपड़े फाड़ने का दिग्विजय सिंह का बोल रहे हैं। ये कितने गैर जवाबदार नेता हैं कि अपने ही साथी के कपड़े फाड़ने की बात कर रहे हैं।

1 लाख 11 हजार रुपये के नोटों से सजाया मां कालका का दरबार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शहर के पूर्वी क्षेत्र के विजयनगर चौराहा स्थित ग्वाल भैरव कालका माता मंदिर मे पंचमी तिथि पर गुरुवार को नोटों से श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर कालका का दरबार 1 लाख 11 हजार रुपये से सजाया गया था।इसमे 20, 50, 100, 500 के नोट का उपयोग किया गया था। मुख्य पुजारी राहुल यादव ने बताया की नवरात्रि महोत्सव मे 09 दिन मां का अलौकिक श्रृंगार किया जा रहा है। इसी के साथ सांस्कृतिक गरबा रास का आयोजन भी हो रहा है। सप्तमी पर शनिवार को हनमुंत ध्वज पदक की विशेष प्रस्तुति होगी। दशमी के दिन 11 हजार मालपुए का भोग लगाया जाएगा। इसके साथ ही 501 कन्याओं का पूजन किया जाएगा।

स्नातक पाठ्यक्रम में बीएससी की स्थिति खराब, 12 फीसद सीटें खाली

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। प्रदेशभर के कालेजों से संचालित पाठ्यक्रम में प्रवेश को लेकर प्रक्रिया खत्म हो चुकी है। पहली मर्तबा स्नातक-स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए साढ़े तीन महीने प्रवेश प्रक्रिया की गई। काउंसिलिंग के आठ चरण होने के बावजूद कई पाठ्यक्रम की सीटें खाली है, जिसमें बीएससी को लेकर स्थिति काफी खराब है। सरकारी और निजी कालेज से संचालित विभिन्न बीएससी पाठ्यक्रम की 12 फीसद सीटें खाली है।

जबकि बीए पाठ्यक्रम की डिमांड सबसे ज्यादा बढ़ गई है। कारण यह है कि इन दिनों 12वीं पास करने के बाद ज्यादातर छात्र-छात्राएं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में जुटे है। ऐसे में विद्यार्थियों ने बीए से स्नातक की पढ़ाई करना उचित समझा है। जबकि बीकाम की स्थिति पहले की तरह बनी है। 5-7 फीसद ही सीटों पर प्रवेश होना बाकी है।

प्रदेशभर के 1340 सरकारी और निजी कालेजों में 6 लाख स्नातक और 3 लाख स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की सीटें हैं। 25 जून से प्रवेश प्रक्रिया शुरू की गई, जिसमें बीए, बीकाम, बीएससी, एमए, एमकाम, एमएससी सहित 30 से ज्यादा कोर्स शामिल थे। पहले तीन चरण आनलाइन काउंसिलिंग करवाई गई।

बाकी पांच चरण कालेज लेवल काउंसिलिंग (सीएलसी) के माध्यम से सीटों पर भरा गया। 2023-24 सत्र में ज्यादातर जिलों में चार से पांच सरकारी कालेज शुरू हुए। यहां बीए-बीकाम की सीटें सर्वाधिक है। खजराना, नंदानगर और सांवेर में नए सरकारी कालेज में विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया। जबकि कई कालेजों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की मंजूरी और सीटें बढ़ाई गई। इस क्रम में राऊ स्थित सरकारी कालेज भी शामिल है।

12वीं पास विद्यार्थियों की अधिक रूचि बीकाम और बीए में नजर आई, क्योंकि अधिकांश छात्र-छात्राएं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते है। इन्होंने सरकारी कालेज में प्रवेश को प्राथमिकता दी है। वैसे बीएससी करने वालों की संख्या दो साल से घट गई है। जानकारों के मुताबिक राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत पाठ्यक्रम में मुख्य, मेजर-माइनर, वोकेशनल विषय विद्यार्थियों को पढ़ना पड़ते है।

12 हजार पर प्रवेश नहीं

प्रदेशभर में बीससी पाठ्यक्रम की करीब एक लाख सीटें है, जिसमें 11-12 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश नहीं हुआ है। अकेले इंदौर संभाग में सरकारी और निजी कालेजों में बीएससी की 3-4 हजार सीटों खाली है। अगले सत्र में बीएससी पाठ्यक्रम कई कालेजों ने बंद करने का फैसला लिया है।

बीबीए-बीसीए में बढ़े प्रवेश

एनईपी आने के बाद बीबीए-बीसीए पाठ्यक्रम में सेमेस्टर प्रणाली खत्म हो गई है। ये भी बाकी पाठ्यक्रम की तरह वार्षिक प्रणाली से जुड़ गए है। इसके चलते बीबीए-बीसीए करने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। पहले जहां देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के दायरे में आने वाले 40 कालेज में दोनों पाठ्यक्रम पढ़ाएं जाते थे, लेकिन दो साल में कालेजों की संख्या 70 पहुंच गई है। इन पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष की 20 हजार सीटें हो चुकी है।

कम हुई हैं सीटें

पूर्व कुलपति डा. नरेंद्र धाकड़ ने बताया कि कालेजों में बीएससी को लेकर सीटें कम हुई है, क्योंकि कोर्स की तरफ विद्यार्थियों की रूचि कम हुई है। इसके बजाए बीबीए-बीसीए में विद्यार्थी पढ़ाई करना पसंद कर रहे है। वे बताते है कि विद्यार्थी का लक्ष्य भविष्य सवारने पर अधिक है। इसके चलते सरकारी नौकरी के लिए स्नातक के साथ ही विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते हैं।

अंतिम चरण में पहुंचा राऊ-महू रेल लाइन दोहरीकरण कार्य

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। राऊ से डा. आम्बेडकर नगर (महू) के बीच रेल लाइन दोहरीकरण का कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इस साल के अंत तक दोहरीकरण का कार्य पूरा करने के लिए दिसंबर में इस रूट पर सभी काम पूरे कर निरीक्षण किया जा सकता है। इसके लिए रेलवे दिसंबर के ब्लाक लेकर निरीक्षण पूरा कर सकता है। रूट पर गिट्टी बिछाने का काम पूरा हो चुका है और अब सीमेंट के पोल बिछाकर पटरियां डाली जाएंगी।

राऊ से महू के बीच 9.5 किमी लंबे रेल रूट का दोहरीकरण का कार्य करीब डेढ़ साल पहले दोबारा शुरू किया गया। अब अंतिम चरण में रेल पटरियां बिछाकर इलेक्ट्रिक के कार्य किए जाएंगे। संभावना है कि नवंबर माह में सभी काम पूरे कर निरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की जाए।

गौरतलब है कि महू-सनावद लाइन के शुरू होने के बाद ट्रेनों का संचालन बढ़ेगा, इसलिए राऊ-महू के बीच दोहरीकरण किया जा रहा है। यह कार्य पूरे होने पर इंदौर आने वाली ट्रेनों को महू तक बढ़ाया जा सकेगा। महू-राऊ के बीच दोहरीकरण का कार्य करीब 52 करोड़ रुपये में पूरा होगा।

कोविड के बाद फिर शुरू हुआ काम

राऊ-महू रेल लाइन दोहरीकरण का काम साल 2019 में शुरू हुआ था। कोरोना के कारण इस प्रोजेक्ट को रोक दिया गया। दोबारा इस प्रोजेक्ट का काम 2021 के अंतिम दिनों में शुरू हुआ। इस साल दिसंबर तक दोहरीकरण का काम पूरा करने का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है। राऊ से महू के बीच में हरनियाखेड़ी में स्टेशन बनाया जा रहा है। नया स्टेशन भवन बनाकर दो प्लेटफार्म बनाए जा रहे हैं।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. इलैयाराजा टी ने किया स्ट्रॉग रूम का निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। विधानसभा निर्वाचन के लिये इंदौर के नेहरू स्टेडियम में विधानसभा क्षेत्रवार स्ट्रॉग रूम बनाये गये हैं। इन स्ट्रॉग रूमों में कड़ी सुरक्षा के बीच इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन रखी जाने की व्यवस्था की गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. इलैयाराजा टी ने नेहरू स्टेडियम पहुंचकर स्ट्रॉग रूम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह, एडीएम श्रीमती सपना लोवंशी, अपर कलेक्टर तथा उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेन्द्र रघुवंशी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुरूम स्ट्रॉग रूम बनाये जा रहे हैं। यह स्ट्रॉग रूम लगभग बनकर तैयार हैं। इन स्ट्रॉग रूमों में कड़ी सुरक्षा के बीच इलेक्ट्रॉनिक वोटिग मशीन रखी जायेगी। स्ट्रॉग रूम की निगरानी सतत रूप से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से करने की व्यवस्था की गई है। कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने प्रत्येक स्ट्रॉग रूम में पहुंचकर उन्होंने व्यवस्थाओं को देखा तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने स्ट्रॉग रूम की सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की जाने वाली निगरानी व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी किया।

भोपाल जेल में भूख हड़ताल कर रहे दो आतंकी बेहोश

होश में आने पर ड्रिप निकाल फेंकी, डॉक्टरों से कहा-हाथ मत लगाना

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। भोपाल सेंट्रल जेल के हाई सिक्योरिटी सेल में रखे गए स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) के चार आतंकी भूख हड़ताल पर अड़े हैं। उनकी तबीयत लगातार बिगड़ रही है। बुधवार शाम अबु फैसल और कमरुद्दीन बेहोश हो गए। डॉक्टरों ने उन्हें ड्रिप से ग्लूकोस दिया। देर रात होश में आते ही उन्होंने हाथ में लगी ड्रिप निकाल दी। डॉक्टर से हाथ लगाने के लिए मना कर दिया। जेल प्रशासन ने इनको अस्पताल में भर्ती कराने के लिए राज्य शासन को पत्र लिखा है।

भूख हड़ताल कर रहे आतंकियों में दो शिवली और कमरुद्दीन को कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई थी। वहीं, अबु फैसल और कामरान आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। ये जेल में न्यूज पेपर, लाइब्रेरी, सामूहिक नमाज और घड़ी देने की मांग कर रहे हैं। पहले चारों आतंकियों को लिक्विड डाइट दी जा रही थी। अब इन्होंने इसे भी लेना बंद कर दिया है।

डॉक्टरों का सहयोग नहीं कर रहे आतंकी

जेलर सरोज मिश्रा का कहना है कि आतंकी डॉक्टरों का सहयोग नहीं कर रहे हैं। हाथ लगाने भर से ही भड़क जाते हैं। ड्रिप भी निकालकर फेंक देते हैं। मिश्रा ने बताया कि इन आतंकियों ने एक-एक कर भूख हड़ताल शुरू की थी। जेल नियमों के हिसाब से चारों ने लिखित में इसकी सूचना दी थी। हमने नियमानुसार उन्हें वॉर्निंग लेटर जारी किया। चारों ने तब भी हड़ताल खत्म नहीं की। हमने आगे की कार्रवाई करते हुए उनकी मुलाकात और चिट्ठी लिखने पर रोक लगा दी। इसके बाद भी उन्होंने भूख हड़ताल खत्म नहीं की।

कामरान ने 26 जून को छोड़ा था जेल का खाना

जेल में भूख हड़ताल की ये कहानी शुरू होती है 26 जून 2023 से। इस दिन कामरान ने खाना छोड़ दिया। उसने जेल प्रशासन से कहा कि वो न खाना खाएगा, न पानी पीएगा। कुछ दिन बाद जेल प्रशासन ने कामरान को जेल अस्पताल में शिफ्ट कर दिया। वहां भी उसने वही शर्त रख दी कि वह जेल के किसी कर्मचारी से खाना नहीं लेगा। उसे बाहर के डॉक्टर सुबह 9 से शाम 4 बजे के बीच 4 बार फीड कराएं। जेल का पानी भी नहीं पीएगा। जेल सुपरिंटेंडेंट से उसने कहा कि उसके बारे में जो जानकारी उच्च स्तर पर भेजी गई है, इनसे संबंधित पत्र उसे दिखाए जाएं।

अबु फैसल ने 8 अगस्त को खाना छोड़ दिया। इसके बाद कमरुद्दीन और शिवली ने भी भूख हड़ताल शुरू कर दी। चारों आतंकी वही हैं, जिनके 8 साथियों को 2016 में भोपाल जेल ब्रेक के बाद पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया था। भूख हड़ताल पर बैठे चारों आतंकियों की मांग जेल प्रशासन सुरक्षा कारणों से खारिज कर चुका है। इसके बावजूद वे जिद पर अड़े हैं।

पहले भी दो बार कर चुके हैं भूख हड़ताल

सिमी आतंकियों ने भोपाल जेल में नवंबर 2020 में भी भूख हड़ताल की थी। तब वे अहमदाबाद जेल जैसी सुविधाओं की मांग कर रहे थे। अहमदाबाद में उन्हें खुले में रहने और आपस में मिलने की सुविधा थी। ये ड्राय फ्रूट्स, दूध और पौष्टिक आहार के साथ चिकन-मटन मांग रहे थे। हालांकि, तब भी जेल प्रशासन ने इनकी मांग खारिज कर दी थी। इन लोगों ने दूसरी बार 19 फरवरी 2021 को भूख हड़ताल की थी। तब वे एकांत कारावास से बाहर निकलना चाहते थे। उस समय अबु फैसल, कमरुद्दीन, कामरान, सादुली पीए और शिवली ने भूख हड़ताल की थी। तब भी उनकी मांग पूरी नहीं हुई थी।

चर्चा में आने के लिए भूख हड़ताल करते हैं आतंकी

पूर्व एडीजी विजय वाते बताते हैं कि आतंकी चर्चा में आने के लिए ऐसा करते हैं। वे अपने संगठन से जुड़े स्लीपर सेल को कोई संदेश पहुंचाने की कोशिश करते हैं। खंडवा और भोपाल जेल ब्रेक के समय भी इसी तरह से भूख हड़ताल कर इन आतंकियों ने कई सारी सुविधाएं हासिल की थीं। उनका दुरुपयोग जेल ब्रेक के तौर पर सामने आया था। इस बार भी उनकी भूख हड़ताल की मांग के पीछे कोई शरारत छिपी हो सकती है। हालांकि, 2016 भोपाल जेल ब्रेक के बाद से उनकी सुरक्षा तगड़ी कर दी गई है।

ग्वालियर, सीधी-दमोह में 7 दिन में 5 डिग्री लुढ़का पारा

भोपाल। ग्वालियर, सीधी और दमोह में 7 दिन पहले (12 अक्टूबर) को दिन का तापमान 36 से 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, लेकिन हवा के बदले रुख की वजह से दिन के टेम्प्रेचर में 5 डिग्री तक की गिरावट हो गई है। बुधवार को इन शहरों में 31 से 33 डिग्री के बीच तापमान रहा। रात के तापमान में भी मामूली गिरावट हुई है। मौसम वैज्ञानिक अशफाक हुसैन ने बताया कि अक्टूबर में प्रदेश में सुबह और शाम को गुलाबी ठंड रहेगी। नवंबर में ठंड का असर तेज हो जाएगा। मौसम वैज्ञानिक हुसैन ने बताया कि सोमवार तक हवाओं का रुख दक्षिण-पश्चिम था, जो अब बदलकर उत्तर-पश्चिमी हो गया है। इस कारण दिन-रात के तापमान में गिरावट हो रही है। बुधवार को इसका असर तापमान पर देखने को मिला है।

◆ऐसा रहा मौसम का मिजाज

नर्मदापुरम में हल्की बूंदाबांदी हुई। वहीं, कई शहरों में दिन के तापमान में गिरावट हुई। ग्वालियर में 31.8 डिग्री, भोपाल में 34.9 डिग्री, इंदौर में 32.8 डिग्री और जबलपुर में तापमान 31.5 डिग्री रहा। ग्वालियर में पिछले एक सप्ताह से दिन में गर्मी का असर था। यहां पारा 37 डिग्री पार पहुंच चुका है। भोपाल में भी तापमान 36 डिग्री से ज्यादा रहा। 12 अक्टूबर को सीधी में तापमान 38.8 डिग्री, गुना में 37.1 डिग्री, दमोह में 36.6 डिग्री, खजुराहो में 36.5 डिग्री तक पहुंच गया था। यहां बुधवार को पारे में गिरावट देखने को मिली। सीधी में 32.4 डिग्री, दमोह में 33.8 डिग्री, खजुराहो में 32 डिग्री, नौगांव में 31.1 डिग्री, गुना में 33.6 डिग्री तापमान रहा।

◆अक्टूबर में तीनों मौसम का असर रहा

अक्टूबर में तीनों मौसम का ट्रेंड है। इस बार भी ऐसा ही मौसम रहा है। पहले पखवाड़े में भोपाल, ग्वालियर, दमोह, जबलपुर, उज्जैन समेत कई शहरों अक्टूबर में ऐसी गर्मी पड़ी कि जैसे मार्च-अप्रैल का महीना हो। कई जिलों में पारा 37 डिग्री से ज्यादा ही रहा। अक्टूबर के शुरूआती सप्ताह में गुलाबी ठंड का असर भी रहा। हालांकि, वेस्टर्न डिस्टरबेंस के एक्टिव नहीं होने, राजस्थान से सूखी हवा के आने और धूप की तीव्रता 20% तक बढ़ने से गुलाबी ठंड का असर कम हो गया।

ट्रेनर बोला-कुत्ता ज्यादा भौंकता था, मार डाला

◆मालिक ने कहा-सच जानने के लिए 8 दिन लगे, ताकतवर सुल्तान बोलेरो खींच लेता था

शुजालपुर। भोपाल में पालतू बुली डॉग को गेट पर फांसी लगाकर मारने के केस में अब नई बातें सामने आ रही हैं। इस डॉग के मालिक और शराब कारोबारी निखिल उर्फ टीनू जायसवाल का कहना है कि आरोपी ट्रेनर रवि कुशवाह ने उससे 8 दिन सच छिपाया। उन्होंने बताया कि मेरा ह्यसुल्तानह्ण बहुत ताकतवर था। वह बोलेरो और स्कॉर्पियो को भी खींच लेता था।

शाजापुर जिले के कालापीपल स्थित कुत्ते के मालिक निखिल जायसवाल ने बताया, ह्यमेरे सुल्तान (कुत्ते) की मौत मुझे सामान्य नहीं लग रही थी। इसलिए मैं इसका सच जानने के लिए 8 दिन तक भटकता रहा। आखिरकार वारदात के फुटेज से सच सामने आ ही गया। मुझे शक है कि ट्रेनर क्रॉस नस्ल पैदा करना चाहता था, इसलिए उसके साथ जबरदस्ती की और उसकी मौत हो गई।

आरोपी ट्रेनर बोला- बहुत परेशान करता था, इसलिए मार डाला

आरोपी ट्रेनर रवि ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि डॉग बहुत आक्रामक था। काबू में नहीं आता था। बहुत परेशान करता था। रातभर भौंकता था, इसलिए उसे मार डाला।ह्ण दरअसल, घटना 9 अक्टूबर की है। इसका फुटेज बुधवार (18 अक्टूबर) को सामने आया है। ट्रेनर रवि ने कर्मचारी नेहा और तरुण की मदद से सेंटर के गेट से लटकाकर फांसी लगा दी थी। बाद में निखिल को बताया कि उसकी सांसें नहीं आ रही हैं।

वीडियो में दिख रहा है कि सबसे पहले नेहा नाम की महिला कर्मचारी डॉग को गेट पर लटका रही है। इसके बाद रवि और तरुण वहां पहुंचे। उन्होंने फंदा बनाकर डॉग के गले में डाल दिया। तीनों ने उसे तब तक लटकाकर रखा, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। फुटेज देखने के बाद पुलिस ने रवि, तरुण और नेहा के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम का मामला दर्ज कर लिया है।

निखिल ने 1 मई 2023 को अपना पालतू कुत्ता भोपाल के सहारा स्टेट 11 मील स्थित डॉग ट्रेनिंग सेंटर में ट्रेनिंग के लिए दिया था। सेंटर को रवि कुशवाहा चलाता है जबकि नेहा और तरुण कर्मचारी हैं। डॉग की ट्रेनिंग के लिए 13 हजार रुपए हर महीने फीस ली जाती थी।

निखिल बोले- सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद रूह कांप गई

निखिल ने बताया कि 8 दिन बाद सीसीटीवी फुटेज मिला, जिसमें सुल्तान के साथ हुई क्रूरता दिखाई दी। वीडियो देखने के बाद रूह कांप गई। मेरी शिकायत और वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने ट्रेनिंग सेंटर संचालक रवि कुशवाह, यहां काम करने वाली नेहा और तरुण के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

उन्होंने बताया, करीब ढाई साल पहले मैंने इस कुत्ते को 50 हजार रुपए में शुजालपुर में ही ऑटो मोबाइल शो रूम के मैनेजर से खरीदा था। उसका नाम सुल्तान रखा। 1 मई 2023 को उसे भोपाल के अल्फा डॉग्स ट्रेनिंग एंड बोर्डिंग ट्रेनिंग सेंटर पर भेजा। यह सेंटर सहारा स्टेट, 11 मिल भोपाल में है। यहां 4 महीने की ट्रेनिंग के लिए सुल्तान को छोड़ा था।

उज्जैन में बजरंग दल ने रुकवाया गरबा

अभी तो पार्टी शुरू हुई है... गाने पर आपत्ति, बोले- फूहड़ता बर्दाश्त नहीं

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। उज्जैन के सॉलिटेयर होटल में चल रहे गरबे में बुधवार रात बजरंग दल के 50 से ज्यादा कार्यकर्ता जबरदस्ती घुस गए। उन्होंने यह कहते हुए गरबे का आयोजन रुकवा दिया कि फिल्मी गाने नहीं बजाए जाएं। ह्यअभी तो पार्टी शुरू हुई है...ह्ण गाने को फूहड़ बताते हुए कहा कि यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दरअसल, एक दिन पहले इसी गरबे पंडाल का एक वीडियो सामने आया था। इसके बाद ही बजरंग दल ने यहां अचानक पहुंचने का प्लान बनाया। आयोजकों ने उनकी समझाइश मान ली, इसके बाद गरबा फिर शुरू हुआ। शहर में चिंतामन रोड स्थित सॉलिटेयर होटल में ह्यडांडिया वाइब्सह्ण के नाम से तीन दिन के लिए गरबे का आयोजन हो रहा है। आयोजन मुहूर्त इवेंट की ओर से कराया जा रहा है जिसमें इंट्री फीस 350 रु. से 1500 रु. तक है।

गरबे का मंगलवार रात का सामने आया था। ह्यबस आज की रात है, कल से बड़े सियापे हैं...., ह्यअभी तो पार्टी शुरू हुई है...गानों पर थिरकते दिखे। इसी बात से बजरंग दल में नाराजगी है। उन्होंने आयोजकों को चेतावनी दी कि आप पार्टी करें, हमें कोई लेना - देना नहीं। लेकिन, माता की आराधना के नाम पर फूहड़ता बर्दाश्त नहीं करेंगे। कार्यकर्ता अंकित चौबे ने कहा कि माता की आराधना के नाम पर ह्यअभी तो पार्टी शुरू हुई है... जैसे फूहड़ गानों पर गरबा सहन नहीं किया जाएगा। हमने आयोजकों और डीजे वालों को समझाई दी। उन्होंने बात मान ली है।

दशहरा मैदान में चल रहे गरबे में हिंदूवादी नेताओं ने एक गैर हिंदू युवक को पकड़कर पीट दिया। यहां हिंदू जागरण मंच (उज्जैन महानगर) रिदम गरबे का आयोजन करा रहा है। आरोप है कि युवक गरबे में आई युवतियों को इशारा कर छेड़खानी कर रहा था।

पहले पुलिस बनी बीमा एजेंट, फिर फरार वारंटी को दबोचा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

बुरहानपुर। मप्र विधानसभा में चुनाव की तारीखों का ऐलान होने के बाद ही प्रदेश की पुलिस एक्शन मोड में आ गई है। पुलिस लगातार आपराधिक मानसिकता वाले लोगों की धड़ पकड़ कर रही है। इसी के तहत एक फरार वारंटी देवसिंह पिता सुभान मोरे को नेपानगर थाना पुलिस ने बीमा एजेंट बनकर उसका पता निकाला और गिरफ्तार किया। आरोपी डवाली खुर्द की बजाए नागझिरी गांव में जाकर रह रहा था। वहीं दूसरे मामले में बुरहानपुर पुलिस ने एक आरोपी को इंदौर के खजराना से गिरफ्तार किया है। फरार आरोपियों की धड़ पकड़ के लिए एसपी देवेंद्र पाटीदार ने विशेष टीम का गठन किया है। टीम की ओर से लगातार स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी की जा रही है

होटल निर्माण में अनियमितता

उज्जैन। नानाखेड़ा क्षेत्र में मोहनलाल पिता मांगीलाल वासवानी द्वारा रेडिसन होटल निर्माण में की जा रही अनियमितता को लेकर झोन अध्यक्ष सुशील श्रीवास ने कलेक्टर एवं निगमायुक्त को शिकायत की है। मामले में झोन क्रं.6 के भवन अधिकारी द्वारा पूर्व में नोटिस दिया जा चुका है। इसके बाद भी निर्माण कार्य चल रहा है। नगर निगम झोन क्र.3 अध्यक्ष सुशील श्रीवास ने कलेक्टर और निगमायुक्त से की गई शिकायत में बताया कि नानाखेड़ा क्षेत्र में रेडिसन होटल का निर्माण कार्य मोहनलाल पिता मांगीलाल वासवानी द्वारा किया जा रहा है। इस निर्माण में नगर एवं ग्राम निवेश द्वारा अनुमोदित नक्शे के विपरित बिना एमओएस बिना सेटबेक के निर्माण कार्य किया जा रहा है। स्वीकृति नक्शे के विरुद्ध कार्य कर भवन स्वामी वासवानी द्वारा नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है।

New Delhi

नमो भारत देश की सबसे तेज ट्रेन, महज 20 रुपए में भी सफर, फ्लाइट जैसा आराम

गाजियाबाद, (एजेंसी) दिल्ली-एनसीआर को जिस रैपिड रेल का पिछले कई सालों से इंतजार था वह अब पटरी पर रफ्तार भरने को तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों शुक्रवार को उद्घाटन होने के बाद शनिवार से आम लोग इसमें सफर कर सकेंगे। पहले सफर से पहले इसका नया नामकरण भी कर दिया गया है। देश की पहली मिनी बुलेट ट्रेन को अब 'नमो भारत' के नाम से जाना जाएगा। दिल्ली-मेरठ के बीच इस रूट पर अभी ट्रेन 17 किलोमीटर ही दौड़ेगी। साहिबाबाद से दुहाई के बीच 5 स्टेशन का सफर होगा। आइए हम आपको इससे जुड़ी हर खास बात बताते हैं।

स्पीड- नमो भारत रैपिड रेल की अधिकतम स्पीड 180 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। हालांकि, अभी इसे अधिकतम 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ाया जाएगा। ट्रेन की औसत गति 100 किलोमीटर प्रति घंटे की होगी। मौजूदा समय में नमो भारत देश की सबसे तेज स्पीड से दौड़ने वाली ट्रेन है। वंदे भारत स्पीड की अधिकतम गति अभी 130 किलोमीटर प्रति घंटे की है। हालांकि, वंदे भारत को भी 180 की स्पीड तक दौड़ने के लिए डिजाइन किया गया है।

स्टेशन- अभी ट्रेन 5 स्टेशन का सफर करेगी। इनमें साहिबादा, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई और दुहाई डिपो स्टेशन शामिल हैं। दिल्ली से मेरठ तक कुल 25 स्टेशन होंगे, जिनमें 4 भूमिगत स्टेशन हैं। सभी स्टेशन-सराय काले खां, न्यू अशोक नगर, आनंद विहार, जंगपुरा, साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई, दुहाई डिपो, मुरादनगर, मोदीनगर साउथ, मोदीनगर नार्थ, मेरठ साउथ, परतापुर, रिठानी, शताब्दीनगर, ब्रह्मपुरी, मेरठ सेंट्रल, भैंसाली, बेगमपुल, एमईएस कॉलोनी, दौराला मेट्रो, मेरठ नार्थ, मोदीपुरम और मोदीपुरम डिपो।

किराया भी कम- देश की

Paschim bangal

धीमा जहर, 20 दिन और 5 मर्डर... कैसे एक महिला वैज्ञानिक ने साइंस लगाकर खत्म किया परिवार

गढ़चिरौली, (एजेंसी) महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत के मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। इस मामले में कातिल परिवार की वैज्ञानिक बहू ही निकली है, जिसने पुलिस से पूछताछ में स्वीकार भी कर लिया है कि उसने ही अपने पति समेत 5 लोगों को जहर देकर मार दिया था। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि 22 साल की कृषि वैज्ञानिक संघमित्रा ने जहरीला पदार्थ 'थैलियम' पति समेत 5 लोगों को दिया था और इन लोगों की अलग-अलग दिन जान ली। ऐसा इसलिए किया ताकि किसी को उस पर शक न हो। इस हत्याकांड में वैज्ञानिक संघमित्रा ने अपनी एक परिजन रोजा रामटेके की मदद भी ली थी। पुलिस से पूछताछ में संघमित्रा ने बताया कि उसकी शादी सही नहीं चल रही थी। उसके पति और ससुराल वाले उसका उत्पीड़न करते थे। इससे वह परेशान थी और उनके पिता भी तनाव में थे। यही नहीं इसी तनाव के चलते पिता ने आत्महत्या कर ली थी और फिर इससे संघमित्रा का गुस्सा भड़क गया। वह ससुराल वालों से पिता की सुसाइड का बदला लेना चाहती थी।

Uttarpradesh

बुजुर्ग मां का शव छोड़ भागा बेटा, दो दिन ढूंढती रही पुलिस, फिर दारोगा ने किया अंतिम संस्कार

लखनऊ, (एजेंसी) लखनऊ में एक शख्स मृत मां को छोड़कर अस्पताल से फरार हो गया। दो दिन तक पुलिस ने उसे खोजने की कोशिश की लेकिन वो नहीं मिला। उसका मोबाइल नंबर भी स्विच ऑफ जा रहा था। आखिर में पुलिस ने बेटे का फर्ज निभाया और मृत महिला का अंतिम संस्कार करवाया। इस घटना के बाद लोग पुलिसकर्मियों की सराहना कर रहे हैं। स्थानीय लोगों में ये मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, 14 अक्टूबर को आशियाना निवासी 65 साल की एक महिला को उसके बेटे ने लोकबंधु अस्पताल में भर्ती करवाया था। लेकिन दो दिन पहले बीमार महिला ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जैसे ही डॉक्टरों ने महिला के बेटे को इसकी सूचना दी वो गायब हो गया।

Paschim bangal

Crypto currency Fraud: डलहौजी के 115 लोगों ने पैसा डबल करने के झांसे में लुटा दिए 1.30 करोड़

डलहौजी (चंबा), (एजेंसी) क्रिप्टो करेंसी मामले में पर्यटन स्थल डलहौजी में बड़ा खुलासा हुआ है। पैसा डबल करने के चक्कर में डलहौजी के लोगों ने एक करोड़ 30 लाख रुपये लुटा दिए हैं। पैसा डूबने की भनक लगते ही लोगों के पांव तले जमीन खिसक गई है। प्रभावितों ने पुलिस अधीक्षक से मिलकर शिकायत मिली है। शिकायत मिलने पर एसपी चंबा ने पुलिस महानिदेशालय की एसआईटी टीम को शिकायत भेज दी है। मिली जानकारी अनुसार क्रप्टो करंसी के नाम पर पर्यटन स्थल डलहौजी के 115 लोगों ने एक करोड़ 30 लाख लुटाए हैं।

पुलिस विभाग के सूत्रों के मुताबिक क्रिप्टो करंसी मामले की तफ्तीश के लिए पुलिस महानिदेशक ने डीआईजी की अगुवाई में एसआईटी टीम का गठन किया है। इतना ही नहीं, प्रदेशभर के पुलिस कप्तानों को निर्देश जारी किए गए हैं कि क्रिप्टो करंसी की शिकायतों को जांच के लिए उनके पास भेजा जाए। पुलिस अधीक्षक चंबा अभिषेक यादव ने पुष्टि की है। बताया कि पर्यटन स्थल डलहौजी के 115 लोगों ने शिकायत सौंपी है। शिकायत को एसआईटी टीम को भेज दिया गया है।

खेल

विराट कोहली के शतक से जीता भारत, विश्व कप में 2011 से बांग्लादेश पर लगातार चौथी जीत हासिल की

पुणे। वनडे विश्व कप 2023 में भारत ने लगातार चौथे मैच में जीत हासिल की है। पुणे के मैदान में टीम इंडिया ने बांग्लादेश को सात विकेट से हराया। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट खोकर 256 रन बनाए थे। इसके जवाब में टीम इंडिया ने 41.3 ओवर में तीन विकेट खोकर 261 रन बना लिए और मैच अपने नाम किया। भारत के लिए विराट कोहली ने नाबाद 103 रन बनाए। शुभमन गिल ने भी 53 रन की शानदार पारी खेली। रोहित शर्मा ने 48 रन बनाए। गेंदबाजी में रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने दो-दो विकेट लिए।

बांग्लादेश के लिए लिटन दास ने 66 और तंजिद हसन ने 51 रन बनाए। महमुदुल्लाह ने 46 रन की पारी खेली। वहीं, गेंद के साथ मेहदी हसन ने दो विकेट लिए। इस जीत से भारतीय टीम का विश्वकप में बांग्लादेश पर चला आ रहा 2011 से वर्चस्व

कायम रहा। यह विश्वकप में उसकी बांग्लादेश पर लगातार चौथी जीत है। 2007 में मिली हार को छोड़ दें तो भारत ने शेष चारों मुकाबलों बांग्लादेश को हराया है। इस टीम के खिलाफ 2011, 2015, 2019 और 2013 विश्व कप में उसने जीत हासिल की है।

बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन चोट की वजह से यह मैच नहीं खेले। उनकी जगह टीम की कमान संभाल रहे नजमुल हसन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। तंजीद हसन और लिटन दास ने शानदार शुरुआत की। दोनों ने पावरप्ले में 63 रन जोड़े। बांग्लादेश का पहला विकेट 93 रन के स्कोर पर गिरा। तंजिद 43 गेंद में 51 रन बनाकर आउट हुए। कुलदीप यादव ने उन्हें विकेटों के सामने फंसाया। इसके बाद कप्तान नजमुल आठ रन बनाकर जडेजा का शिकार बने। मेहदी हसन को तीन रन के स्कोर पर सिराज ने आउट किया। इसके बाद लिटन दास भी 66 रन बनाकर जडेजा का शिकार बने।

93 पर पहला विकेट खोने वाले बांग्लादेश का स्कोर 137/4 हो गया। इसके बाद मुश्फिकुर रहीम ने तौहिद हृदॉय के साथ मिलकर पारी संभाली। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 42 रन की साझेदारी की। शार्दुल ने 16 रन के स्कोर पर तौहिद को आउट किया। रहीम भी 38 रन बनाकर बुमराह का शिकार बने। अंत में महमुदुल्लाह ने 36 गेंद में 46 रन बनाकर टीम का स्कोर 250 रन के करीब पहुंचाया। आखिरी ओवर में बुमराह ने महमुदुल्लाह का अर्धशतक नहीं होने दिया और उन्हें शानदार यॉर्कर पर बोल्ड किया। शोरिफुल ने आखिरी गेंद में छक्का लगाकर बांग्लादेश का स्कोर 256 रन तक पहुंचाया। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा ने दो-दो विकेट लिए। शार्दुल और कुलदीप को एक-एक विकेट मिला।

257 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने तेज शुरुआत की।

सिनेमा

Raj kundra Tweet: शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा का ट्वीट वायरल, कहा- 'हम अलग हो गए हैं..'

शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा जल्दी ही अब फिल्मों जलवा बिखेरते नजर आएंगे। राज कुंद्रा की फिल्म यूटी 69 का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ, जिस में उनकी जिंदगी के एक पहलू पर रोशनी डाली गई है। इस बीच राज कुंद्रा के एक ट्वीट ने धमाका कर दिया है। राज कुंद्रा ने ट्वीट में लिखा है- 'हम अलग हो गए हैं।' राज कुंद्रा के ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और ट्विटर यूजर्स रिएक्ट कर रहे हैं।

राज कुंद्रा ने रात करीब एक बजे ट्वीट किया है, जिसके बाद वो चर्चा में आ गए हैं। राज ने अपने ट्वीट में लिखा, 'हम अलग हो गए हैं और आपसे विनम्र अनुरोध है कि इस मुश्किल वक्त में हमें समय दें।'इस ट्वीट के साथ ही राज ने हाथ जोड़ने और दिल टूटने का इमोजी भी इस्तेमाल किया है। राज कुंद्रा ने अपने ट्वीट में कुछ भी साफ साफ नहीं लिखा है, जिससे अलग-अलग तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

राज कुंद्रा के पोस्ट पर ट्विटर यूजर्स ने रिएक्ट किया है। एक यूजर ने लिखा- 'अलग मतलब.. तलाक?' तो एक दूसरे ने लिखा, 'अपने मास्क के बारे में बात कर रहा होगा।' एक और ने लिखा- 'किसने ये बेकार आइडिया दिया है आपको?'

संपादकीय

संवेदनशील मसले पर ध्यान नहीं

पिछले कुछ वर्षों में चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय काम हुआ है। देशभर में अस्पतालों की संख्या में खासी बढ़ोतरी हुई है। एमबीबीएस की सीटें लगभग दोगुनी होकर एक लाख हो चुकी हैं। लेकिन इतना सब होने के बावजूद सैन्य क्षेत्र में डाक्टरों की कमी जैसे संवेदनशील मसले पर प्राथमिकता से ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा? लगातार बढ़ती आबादी के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर बना दबाव समझ में आता है, लेकिन अगर यही स्थिति सीमा सड़क संगठन यानी बीआरओ जैसे महकमे में भी दिखाई दे, तो मामला संवेदनशील हो जाता है। अफसोस की बात है कि बीआरओ ऐसे ही संकट की स्थिति का सामना कर रहा है। सीमा पर जम्मू-कश्मीर से लेकर अरुणाचल प्रदेश जैसे इलाकों में महत्वपूर्ण सामरिक सड़कों, सुरंगों और पुलों के निर्माण कार्य में जुटे बीआरओ की चिकित्सा इकाइयों में डाक्टरों की भारी कमी है। सैन्य आधारभूत ढांचा मजबूत करने में लगे संगठन कर्मियों को बीमार या घायल होने पर इलाज के लिए इन्हीं इकाइयों में भर्ती कराया जाता है। हालात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बीआरओ की एक सौ उनतीस चिकित्सा इकाइयों में केवल तेरह चिकित्सक ही तैनात हैं। यानी एक सौ सोलह पद खाली पड़े हुए हैं। ऐसे में वहां स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहे सैनिकों को किन मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा होगा, यह समझा जा सकता है। सामरिक महत्त्व के संवेदनशील महकमे के तहत चिकित्सा ढांचे की यह स्थिति परेशान करने वाली है। ऐसे समय में यह खासतौर पर ध्यान रखने की जरूरत है जब चीन सीमा पर पिछले तीन साल से तनाव की स्थिति बनी हुई है और भारत सीमावर्ती इलाकों में अपने आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए तेजी से काम कर रहा है। चीन और पाकिस्तान से लगी अति संवेदनशील सीमा पर मैदानों से लेकर कई हजार फुट की ऊंचाई वाले दुर्गम इलाकों में बीआरओ की कई परियोजनाएं युद्ध स्तर पर चल रही हैं। काम के दौरान या प्रतिकूल मौसम में वहां सीमा सड़क संगठन के कर्मियों का घायल या बीमार होना आम बात है। लेकिन चिकित्सकों की कमी के कारण जाहिर है, समय पर जरूरी इलाज मुहैया नहीं हो पाता होगा। मौजूदा स्थितियां बताती हैं कि इसके लिए कई कारक जिम्मेदार हैं।

अर्ज किया है..!

शजर ने पूछा कि तुझ में
ये किस की ख़ुशबू है
हवा-ए-शाम-ए-अलम ने
कहा उदासी की

-रहमान फ़ारिस

॥ज़ैसियाराम॥
MORARI BAPU

सत्य-प्रेम-करुणा...

निष्फल होना गुनाह नहीं...
निरुत्साहित होना गुनाह है...

साभार - Chitrakutdham Talgajarda

महिला जगत

मिलिए भारत की पहली महिला बाउंसर से, जो बनीं नारी शक्ति की मिसाल

नवरात्रि मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की उपासना का पर्व है। यह पर्व नारी शक्ति के सम्मान का, उनके योगदान का प्रतीक है। माना जाता है कि हर नारी में नवदुर्गा के किसी न किसी स्वरूप का अंश होता है। कुछ महिलाएं इसे समझ लेती हैं और उनका वह स्वरूप किए गए उत्कृष्ट कार्यों के जरिए नजर आने लगता है। ऐसी ही एक महिला हैं जो शक्ति का प्रतीक हैं। इस महिला के नाम एक बड़ी उपलब्धि है। जिन महिलाओं के लिए कहा जाता है कि वह खुद की रक्षा नहीं कर सकतीं, वहीं एक महिला ऐसी है जो अपने ही नहीं बल्कि दूसरों की सुरक्षा का जिम्मा उठा रही हैं। यहां देश की पहली महिला बाउंसर की बात की जा रही है। आइए जानते हैं देश की महिला बाउंसर के बारे में, जिनके लिए यह राह चुनना और इसपर चलना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने मार्ग में आने वाली हर बाधा को पार कर लिया।

◆ देश की पहली महिला बाउंसर

हट्टे कट्टे नौजवानों को देखकर अक्सर मुंह से निकल जाता है कि यह तो बाउंसर जैसे दिखते हैं। लेकिन क्या कभी महिला को देखकर ऐसा महसूस हुआ? मेहरुन्निसा शौकत अली देश की पहली महिला बाउंसर हैं। मेहरुन्निसा शौकत अली दिल्ली के हौज खास गांव में एक प्रसिद्ध कैफे में बतौर बाउंसर काम करती हैं। साथ ही शहर में आने वाले बॉलीवुड सेलेब्स और मशहूर हस्तियों को सिक्योरिटी भी देती हैं। वह एक फाइटर हैं जो केवल शारीरिक तौर पर लड़ने में सक्षम हैं, बल्कि समाज की रूढ़िवादी मानसिकता के खिलाफ भी लड़ती चली आ रही हैं।

◆ मेहरुन्निसा का जीवन परिचय

मेहरुन्निसा शौकत अली उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले की रहने वाली हैं। वह एक ऐसे मुस्लिम परिवार से ताल्लुक रखती हैं जहां बेटियों का घर से निकलना, पढ़ना लिखना गुनाह माना जाता था। लेकिन मेहरुन्निसा से छुपकर पढ़ाई की, हालांकि पिता को जब इस बात का पता चला तो उन्होंने मेहरुन्निसा की किताबें तक जला दी थीं। लेकिन मेहरुन्निसा ने मां के समर्थन से पढ़ाई जारी रखी।

मेहरुन्निसा पुलिस में भर्ती होना चाहती थीं, लेकिन मौका न मिल सका, हालांकि उन्होंने हार नहीं मानी और एनसीसी कैडेट ज्वाइन करके कराटे सीखा। जब पिता उनकी शादी के लिए लड़का देख रहे थे तो वह अपने सपने पूरे करने दिल्ली आ गईं। यहां उन्होंने महिला बाउंसर की ओपनिंग के बारे में सुना और अप्लाई कर दिया। परिवार ने विरोध किया पर मेहरुन्निसा ने पिता को भरोसा दिलाया कि वह कोई गलत या नाम खराब करने वाला काम नहीं कर रही हैं।

◆ मेहरुन्निसा की उपलब्धि

बतौर बाउंसर भी उनका जीवन आसान नहीं रहा। वर्कप्लेस पर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। महिला बाउंसर जैसा उस वक्त कुछ था नहीं, तो उन्हें सिक्योरिटी गार्ड कहा जाता था। वहीं पुरुषों की तुलना में महिला बाउंसर को सम्मान भी नहीं मिलता था और न ही काम।

बाद में 2004 में जब इंडियन आइडियल की टीम की सुरक्षा का जिम्मा मेहरुन्निसा ने संभाला तो उनकी जिंदगी में सकारात्मक बदलाव आने शुरू हुए। आज मेहरुन्निसा की प्राइवेट सिक्योरिटी कंपनी है। उन्होंने अमिताभ बच्चन से लेकर रणबीर, प्रियंका, रानी मुखर्जी और दीपिका जैसे दिग्गज स्टार्स को सिक्योरिटी दी है।

Highlights

1. Canada suspends in-person services in Consulates in Chandigarh, Mumbai & B'luru
2. Don't punish Vasundhara Raje due to me: Rajasthan CM Gehlot to BJP
3. Girls should control sexual urges, not give in to 2 minutes of sexual pleasure: Calcutta HC
4. US envoy Eric Garcetti travels on Delhi Metro, calls it 'among the best in world'
5. Had thought playing chess with computers would be crazy: Vaishnaw
6. PM Modi writes letter to people of Madhya Pradesh ahead of polls

Adani Group to close $3.5 bn loan deal; move likely to boost ratings, save dollars: Reports

NEW DEIHI, (Agency). Months after facing erosion of wealth following American short-seller Hindenburg's allegations, Adani Group is closing in on a $3.5 billion loan to refinance existing debt taken to purchase Ambuja Cements Limited. A clutch of banks and financial institutions have reportedly agreed to extend the loan, showing signs of boost in confidence among creditors in the conglomerate's financial stability.

The deal, which could be sealed this week, will be among the 10 biggest loans in Asia this year, Bloomberg reported, quoting anonymous sources.

We're now on WhatsApp. Click to join.

The agency added the loan would likely be priced at 450-500 basis points all-in-costs over the benchmark secured overnight finance rate.

18 global banks, including Barclays, Deutsche Bank and Standard Chartered, are in agreement with the group for refinancing the debt, reported

The Economic Times.

The Adani Group's promoter, the Gautam Adani family will have to prepay 300 million dollars, per the loan agreement. The refinancing will help save about a quarter of a billion dollars over a period of three years, ET reported. The Adani Group has repaid close to 2 billion dollars in Ambuja and ACC loans.

The 18 lenders include MUFG, Mizuho, SMBC, DBS, First Abu Dhabi Bank, Standard Chartered Bank, Barclays, Deutsche Bank, ING, BNP Paribas, and Qatar's QNB.The disbursals of the loan will start next week, it reported.

This loan has pushed the repayment timeline to 2027. Apart from saving borrowing costs, the exercise will also boost Adani Group's credit ratings. Gautam Adani was India's richest person earlier this year when Hindenburg accused his conglomerate of stock manipulation. Within weeks of the allegations, his net worth plummeted to 40 billion dollars following a rout on the stock markets.

Over the last few months, Adani has recovered some of his lost wealth due to the infusion of funds by Indian-American investor Rajiv Jain in Adani Group's stocks and other emergency measures that inspired investor confidence.

Google flags off Make in India with latest Pixels in 2024

NEW DEIHI, (Agency). Google will begin to manufacturing its flagship Pixel mobile phones in India, the company announced on Thursday, announcing a series of initiatives and collaborations that leaned heavily on its new artificial intelligence technologies and its widely popular payments application.

The company's annual Google for India event also had announcements regarding new security initiatives of the

company aimed at the sort of online financial fraud prevalent here, and philanthropic grants for work on misinformation awareness.

We're now on WhatsApp. Click to join.

The headline announcement, however, was on the company's decision to take part in the government's Make in India initiative.

"We're humbled at how India has embraced our consistent smartphone innovations, and continue to receive heartening feedback from our partners and our growing Pixel family. When we set out with our hardware business, we committed to building and investing for the long run, and our plan to manufacture in India is an early step in the long journey of expanding our device production capacity and helping meet the country's growing demand for Pixel smartphones," said Rick Osterloh, senior vice president of devices and services.

Union minister for electronics and technology, Ashwini Vaishnaw, said the decision was "good for Google and good for India" and added that it was reflection of the policies of the government that had put electronics manufacturing on the fast track.

छात्रा से दुष्कर्म, ब्लैकमेल कर डेढ़ लाख रुपए भी लिए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। बालाघाट से पढ़ाई करने इंदौर आई स्टूडेंट के साथ वर्ग विशेष के युवक ने दोस्ती कर रेप किया। इसके बाद आरोपी ने फोटो और वीडियो वायरल करने के नाम पर ना सिर्फ उसे ब्लैकमेल किया, बल्कि उसके साथ मारपीट भी की। पीड़िता ने जब उससे पीछा छुड़ाने की कोशिश की, तो आरोपी ने अपने दोस्तों से वीडियो कॉल करवाकर उसे धमकाया। पीड़िता से फोटो और वीडियो डिलीट करने के नाम पर रुपए की मांग की और डेढ़ लाख रुपए ले लिए। लगातार प्रताडन्ना से परेशान होकर पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस में की है।

भंवरकुआं पुलिस ने 23 साल की युवती की शिकायत पर शाहबाज पुत्र सादिक खान निवासी बालाघाट पर रेप, ब्लैकमेलिंग और मारपीट करने, वहीं उसके दोस्त प्रफुल्ल नांगवशी निवासी विद्यानगर के खिलाफ वीडियो कॉल कर धमकाने और डराने के मामले में केस दर्ज किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह बीएससी की स्टूडेंट है। उसे 2020 में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना था। इसके लिए बालाघाट आरटीओ गई। यहां उसकी पहचान शाहबाज खान से हुई। उसने कहा कि वह लाइसेंस जल्दी बनवा देगा। इस दौरान उसने पूरे डॉक्यूमेंट ले लिए। बाद में अगस्त 2021 में वह इंदौर के जीडीसी कॉलेज में पढ़ाई करने आ गई। शाहबाज अचानक एक दिन इंदौर आया और उसे कॉल कर कहा कि उसका लाइसेंस बन गया है। लालबाग आ जाए। जब युवती वहां पहुंची तो शाहबाज ने कहा कि उसका लाइसेंस रूम पर छूट गया है। उसे लेने वहां चलना पड़ेगा। इस पर पीड़िता ने शाहबाज से रूम पर जाने से इनकार कर दिया। तब शाहबाज ने उसे यह कहते हुए धमकाया कि वह बालाघाट में युवती के परिचितों और परिवार के लोगों को बता देगा कि वह उससे बात करती है।बदनामी के डर से पीड़िता शाहबाज के साथ लाइसेंस लेने विद्या नगर चली गई। यहां शाहबाज ने मारपीट की और युवती के साथ अश्लील हरकत करते हुए उसका रेप किया। आरोपी ने शाहबाज ने कहा कि उसने मोबाइल से फोटो और वीडियो लिये है। इसे वायरल कर देगा। उसके कहने मुताबिक काम करना पड़ेगा।

इसके बाद लगातार दो तीन माह से शाहबाज उसे ब्लैकमेल कर संबंध बना रहा है। उसने कई बार इनकार किया तो आरोपी ने कमरे पर ले जाकर पीड़िता के साथ मारपीट की। शाहबाज से परेशान होकर युवती ने कॉल रिसीव करना बंद कर दिया। तब आरोपी ने युवती के दोस्तों को कुछ अश्लील मैसेज और फोटो भेज कर कहा कि देखो तुम्हारी दोस्त किस तरह के काम करती है। इसके बाद पीड़िता जब शाहबाज से मिली तो उसने करीब डेढ़ लाख रुपए और युवती का मोबाइल लेकर रख लिया। इसके बाद से शाहबाज अलग-अलग नंबरों से कॉल कर धमका रहा है। इसके साथ ही और रुपए की मांग भी कर रहा है।

निगमकर्मी ने किया सुसाइड

◆ एक माह से पहले बच्चो के साथ घर से चली गई थी पत्नी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। खजराना में रहने वाले एक नगर निगम के कर्मचारी ने सुसाइड कर लिया। भतीजी जब घर पहुंची तो उसने फंदे पर लटके देखा। बाद में पिता को सूचना दी। रात में परिवार के लोग शव को लेकर एमवाय पहुंचे। शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। खजराना पुलिस के मुताबिक मनीष पुत्र अशोक कल्याणे निवासी राजीव नगर ने अपने घर में फांसी लगा ली। गुरूवार देर शाम भतीजी टिफीन देने मनीष के घर पहुंची तो अंदर जाकर देखा। बड़े भाई आशीष ने बताया कि मनीष नगर निगम में सफाईकर्मी है। एक माह पहले पत्नी से उसका विवाद हो गया। इसके बाद पत्नी अपने तीनों बच्चो को लेकर मायके जलवा ग्राम चली गई। मनीष इसके बाद उसे वापस लाने के लिये प्रयास कर रहा था। लेकिन वह मना कर रही थी। परिवार के मुताबिक संभवत मनीष ने इसी बात के चलते यह कदम उठाया है। पुलिस के मुताबिक मनीष के कमरे को सील किया गया है। सुसाइड नोट ओर मोबाइल को लेकर जांच की जा रही है।

कॉलेज स्टूडेंट्स के बीच चले चाकू

◆ छात्रा से बात करने को लेकर हुई थी कहासुनी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में पढन्ने वाले स्टूडेंट्स के बीच गुरूवार देर रात चाकूबाजी हो गई। इस हमले में तीन छात्रों को चोट आई है। इसके एक पार्षद का बेटा भी है। पुलिस ने सभी को मेडिकल के लिए अस्पताल भेजकर दो छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पलासिया पुलिस के मुताबिक राज अवाड़ा, हर्षल गोहर और वरूण शर्मा पर हरि नागेश्वर, देव और उसके साथियों ने चाकू से हमला कर दिया था। बताया जाता है कि रात में तीनों को बात करने के लिए बुलाया और मारपीट करते हुए चाकू निकाले।

परिवार के मुताबिक हरी नागेश्वर एक छात्रा का पीछा करता है। इसको लेकर राज और उसके साथियों ने आपत्ति ली थी। मामले में कॉलेज में ही उनके बीच समझौता हो गया था। लेकिन मोबाइल पर कहासुनी बढ़ गई। इसके बाद रात में दोनों पक्षों का आमना सामना हो गया था।

क्राइम ब्रांच ने ठगी का शिकार हुए लोगों को सात लाख रुपये लौटाए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। **क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने 15 लोगों को लाखों की राहत दी है। बैंक अफसर बन खातों से निकाले रुपये आवेदकों को लौटाए। पुलिस अब उन खातों और नंबरों की भी जांच कर रही है जिनमें ठगी की राशि ट्रांसफर हुई थी।**

डीसीपी (अपराध) निमिष अग्रवाल के मुताबिक, बंगाल, झारखंड, बिहार, दिल्ली और मेवात से चल रहा गिरोह देशभर में ठगी करता है। पिछले दिनों 15 आवेदकों द्वारा साइबर सेल की हेल्प लाइन नं. 7049124445 पर ठगी की शिकायत मिली थी। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उन खातों को फ्रीज करवा दिया जिनमें ठगी के रुपये ट्रांसफर हुए थे।

केस-1

कास्मेटिक व्यापारी फारुख से फर्जी आइसीआइसीआइ बैंक के अधिकारी ने संपर्क किया। आरोपित ने कहा कि बैंक की तरफ से नया क्रेडिट कार्ड जारी किया गया है। उसने ओटीपी सत्यापन का झांसा दिया और फारुख के खाते से 90 हजार रुपये निकाल लिए।

केस-2

कंप्यूटर आपरेटर दर्शनसिंह को भी आइसीआइसीआइ बैंक के फर्जी कस्टमर केयर अफसर का काल आया था। आरोपित ने लिमिट बढ़ाने के संबंध में चर्चा की और दर्शन के खातें से 55 हजार 876 रुपये निकाल लिए।

केस-3

शिकायतकर्ता चंदा देवी के खाते से 87 हजार रुपये निकल गए थे। आरोपित ने एसबीआइ की तरफ से काल किया और कहा कि क्रेडिट कार्ड एक्टिव करने की प्रक्रिया के बारे में बात की। चंदा से ओटीपी नंबर लेकर खाते से रुपये निकाल लिए।

“ **अनजान नंबरों से आने वाले काल पर जानकारी साझा न करें। बैंक व बैंक अफसर कभी ओटीपी नहीं लेते। आवेदक ठगी की घटना होते ही साइबर सेल व क्राइम ब्रांच से संपर्क करें।**

-निमिष अग्रवाल, डीसीपी अपराध

सब्जी सेलर की संदिग्ध मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एमआईजी में रहने वाले सब्जी सेलर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। देर शाम उनकी तबीयत बिगड़ी पड़ोसी अस्पताल ले गए। यहां उपचार के कुछ देर बाद उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है। शुक्रवार को पुलिस पोस्टमार्टम करवाएगी।

पुलिस के मुताबिक ललित(32) पिता किशोर शेजवार को गुरूवार देर शाम उसके पड़ोसी एमवाय अस्पताल लेकर आए। यहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पड़ोसी रितेश मरमट ने बताया कि ललित को दो बच्चे उनके पास लेकर आए ओर बताया कि उन्हें उल्टियां हो रही है। इस दौरान रितेश ने मदद कर उन्हें आसपास के लोगो की मदद से एमवाय भेजा। रितेश के मुताबिक ललित सब्जी बेचने का काम करते थे। परिवार में एक बड़ा भाई ओर तीन बहनें है। उपरी बाधाओं की शंका,तांत्रिक क्रिया से चल रहा था उपचार रितेश्दारो ने बताया कि ललित की तबीयत करीब पांच साल से काफी खराब रहती थी। उन्हें उपरी बाधाओं को लेकर परिवार को शंका थी। इसलिये अलग अलग जगह पर बाधा हटाने को लेकर तांत्रिक उपचार कराया जा रहा था। उसे थोड़ा बहुत इससे फायदा भी था। लेकिन करीब एक सप्ताह से ललित फिर से ठीक से काम नही कर रहा था। गुमसुम रहता था। पुलिस के मुताबिक परिवार के बयान ओर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिती स्पष्ट होगी।

जनसमस्याओं और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं को उजागर करने वाले साहसी, कर्मठ साथियो की दैनिक अखबार और न्यूज़ चैनल में आवश्यकता है...जो लेखनी और भाषा का दक्ष हो।
इच्छुक व्यक्तित्व संपर्क करें -
Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com

DGR
Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

YouTube Detective Group Report
SUBSCRIBE

समाचार और विज्ञापन के लिए संपर्क करें
+91 91110 30505

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ■ समूह PRO - एल.एन. उग्र ■ फोन : 0731-2433667 ■*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।